संस्कृत साहित्य

प्रश्न पत्रः– चम्पूकाव्यम् आधुनिककाव्यांच

MSA-E-316

लघु उत्तरीय प्रश्न **समय.3 घण्टे**

निम्न प्रश्नों में से किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर दो। प्रत्येक 6 अंक का है। 5X6=30

1. निम्न श्लोक की व्याख्या करो–
   सदूषणापि निर्दोषा सखरापि सुकोमला।
   नमस्तस्मै कृता येन रम्या रामायणी कथा।।
2. निम्न श्लोक की व्याख्या करो–
   प्रसन्ना कान्तिहारिण्यो नानाश्लेष विचक्षणाः।
   भवन्ति कस्यचित्पुण्यैर्मुखे वाचो गृहे स्त्रियः।।
3. राजा नल व शूकरके मध्य हुए द्वन्द्व युद्ध को व्याख्यायित करो।
4. निम्न श्लोक की व्याख्या करो।–
   वाचः काठिन्यमायान्ति भंगश्लेष विशेषतः।
   नोद्वेगस्तत्र कर्तव्यो यस्मान्नैको रसः कवेः।।
5. भारत के उद्धारक के रुप में कौन आये और उनकी क्यों आवश्यकता थी।
6. निम्न श्लोक की व्याख्या करो–
   श्रद्धालुभिर्मूढ़जनैः स्वकन्या देवालये देववराय दत्ता ।
   श्री देवदास्यः कृतगीतलास्या बलादभुज्यन्त विटैरजस्रम्।।
7. निम्न श्लोक की व्याख्या करो–
   वीरैकभोग्या शुभयज्ञ योग्या पुण्यात्मना कल्पतरुपमेया।
   निःश्रेयसस्वभ्युदयोपलब्धौ सहायिका या सहधर्मिणीव।।
8. नलचम्पू में वर्णित आर्यावर्त नगरी का वर्णन करो।
9. दयानन्द दिग्विजय में वर्णित भारत के सौन्दर्य का वर्णन करो।
10. नलचम्पू के अनुसार वर्षा ऋतु का वर्णन करो।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

नोट–निम्न में से किन्हीं चार प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दो। प्रत्येक 10 अंक का है। 4X10=40

1..निम्न गद्यखण्ड की व्याख्या करो–

यस्मिन्नवरतधर्मकर्मोपदेशशान्तसमस्तव्याधिव्यतिकराः पुरुषायुषजीविन्यः सकलसंसारसुखभाजः प्रजाः। तथा हि कृष्ठयोगो गान्धिकापणेषु स्फोटप्रवादो वैयाकरणेषु,सन्निपातस्तालेषु , ग्रहसंक्रन्ति ज्योतिःशास्त्रेषु , भूतविकारवादः सांख्येषु , क्षयस्तिथिषु , गुल्मवृद्धिर्वनभूमिषु , गलग्रहो मत्स्येषु , गण्डकोत्थानं पर्वतवनभूमिषु, शूलसम्बन्धश्चण्डिकायतनेषु दृश्यतेन प्रजासु।

2. त्रिविक्रम भट्ट की काव्य शैली पर प्रकाश डालो।
3. चम्पू काव्य किसे कहते है?चम्पू काव्य परम्परा में नलचम्पू का स्थान निर्धारित करो।
4. दयानन्द दिग्विजय के रचयिता का परिचय व काव्यशैली का वर्णन करो।
5. नलचम्पू के प्रथम उच्छवास का सारांश उदाहरण सहित लिखो।
6. नलचम्पू में वर्णित प्रकृति चित्रण का पर्यावरणीय दृष्टि से विवेचन करो।
7. दयानन्द दिग्विजय के द्वितीय सर्ग का सारांश उदाहरण सहित दो।
8. अंग्रेजों के आने के बाद दयानन्द दिग्विजय में वर्णित भारत की दुर्दशा का वर्णन करो।